राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)

पाठ्यक्रम

M.A. (PREVIOUS) SANSKRIT

ANNUAL SCHEME

EXAMINATION-2018

एम.ए. पूर्वार्द्ध 2017–18 की परीक्षा में चार प्रश्न पत्र होंगे। परीक्षार्थियों के लिए चारों प्रश्न पत्र अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न–पत्र का पूर्णांक 100 तथा समय की अवधि तीन घंटे निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जायेंगे।

अवधेयम्

1. प्रत्येक प्रश्न–पत्र में निर्धारित पाठ्य विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास, काव्यशास्त्रीय पक्ष, समालोचनात्मक तथ्य आदि से सम्बद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें परीक्षाओं के तत्सम्बन्धी ज्ञान का परीक्षण हो सके।

2. प्रत्येक प्रश्न–पत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। परीक्षार्थी प्रश्न विशेष जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, के अतिरिक्त सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

प्रथम प्रश्न–पत्र	वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा–विज्ञान
द्वितीय प्रश्न–पत्र	ललित साहित्य तथा नाटक
तृतीय प्रश्न–पत्र	भारतीय दर्शन
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

प्रथम प्रश्न–पत्र वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) संस्कृत

प्रथम प्रश्न–पत्र-वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान

1. ऋग्वेद–निम्न सूक्तों का अध्ययन 30 अंक

(अग्नि–1.12, रूद्र 2.33, विष्णु 1.154, अक्ष 10.34, वरूण 7.86, वाक् 10.125, पुरुष 10.90, नासदीय 10.129)

2. यजुर्वेद (अध्याय 34) शिवसंकल्प सूक्त 05 अंक

3. अथर्ववेद (12.1) पृथिवी सूक्त (भूमि सूक्त) 01 से 18 मंत्र 10 अंक

4. निरुक्त–यास्क (प्रथम अध्याय) 25 अंक

5. भाषा विज्ञान 30 अंक

(1) रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन

(2) ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों का विकास, संस्कृत और अवेस्ता, संस्कृत और पालि, संस्कृत और प्राकृत।

विस्तृत अंक विभाजन

1	ऋग्वेद	1	ऋग्वेद के निर्धारित सूक्तों के चार मन्त्रों में से 02 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या जिनमें से एक व्याख्या संस्कृत माध्यम में करनी अनिवार्य	2 x 10= 20 अंक
		2	पदपाठ– प्रश्न संख्या 01 में दिए गए मन्त्रों में से किसी 01 मन्त्र का पदपाठ	04 अंक
		3	निर्धारित सूक्तों के दो देवताओं में से एक देवता का स्वरूप वर्णन	06 अंक
2	यजुर्वेद		यजुर्वेद के निर्धारित भाग के दो मंत्रों में से 01 की सप्रसंग व्याख्या	05 अंक
3	अथर्ववेद	1	निर्धारित अध्याय के 02 उद्धरणों में से 01 मंत्र की संस्कृत माध्यम से सप्रसंग व्याख्या	10 अंक

डॉ. लता शर्मा

प्रभारी अधिकारी

4	निरुक्त प्रथम अध्याय	1.	चार उद्धरणों में से दो की सप्रसंग व्याख्या	2x7.5=15 अंक
		2	निर्धारित अध्याय के 10 पदों में से 5 का निर्वचन	5x2=10 अंक
5.	भाषा विज्ञान	1	रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनियाँ, स्वर तथा व्यंजन बिन्दुओं में से 02 प्रश्न पूछकर 01 का उत्तर	10 अंक
		2	ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों का विकास, संस्कृत और अवेस्ता, संस्कृत और पालि, संस्कृत और प्राकृत बिन्दुओं से दो प्रश्नों में से 01 प्रश्न का उत्तर	10 अंक
		3	भाग 'ख' के बिन्दुओं में से 04 टिप्पणी पूछकर 02 पर टिप्पणी	2x5=10 अंक

सहायक पुस्तकें और संस्तुत पुस्तकें

क–वैदिक साहित्य

1. ऋक्सूक्त वैजयन्ती–डॉ. एच.डी. वेलनकर (पूना से प्रकाशित)
2. ऋक्सूक्त समुच्चय–डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3. वैदिक वाङ्मय–एक परिशीलन–ब्रजबिहारी चौबे
4. वैदिक स्वरबोध–ब्रजबिहारी चौबे
5. ऋग भाष्यसंग्रह–देवराज चानना
6. वैदिक व्याकरण–ए.ए. मेक्डोनल
7. वैदिक व्याकरण–डॉ. उमेशचन्द पांडे
8. वैदिक स्वरमीमांसा–श्री युधिष्ठिर मीमांसक
9. ऋग्वेद चयनिका–विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
10. वेद विज्ञान–कर्पूरचन्द कुलिश, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
11. छन्दः समीक्षा– स्वामी सुरजनदास, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

ख–भाषा–विज्ञान

1. एन इन्ट्रोडक्शन टू कम्परेटिव फिलोलोजी पुणे, ओरियंटल बुक एजेंसी, पूना

2. लिंग्विस्टिक इन्ट्रोडक्शन टू संस्कृत–बटकृष्ण घोष, इण्डियन इन्स्टीट्यूट, कोलकाता

3. तुलनात्मक भाषाशास्त्र–डॉ. मंगलदेव शास्त्री

4. भाषा विज्ञान–डॉ. भोलानाथ तिवारी

5. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन–डॉ. भोलानाथ व्यास–भारतीय ज्ञानपीठ, काशी

6. संस्कृत का भाषाविज्ञान–डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

7. एलीमेंट्स ऑफ दी साईन्स ऑफ लैंग्वेज, तारापोरेवाला, हिन्दी अनुवाद, मध्य प्रदेश हिन्दी अकादमी

8. भाषा का इतिहास–श्रीभगवद्दत्त

9. संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक अध्ययन–देवीदत्त शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी।

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

द्वितीय प्रश्न पत्र–ललित साहित्य एवं नाटक

समय : 3 घण्टे अंक : 100

अवधेयम्

प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा माध्यम से बनाया जाएगा। परीक्षार्थी प्रश्न विशेष जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, के अतिरिक्त सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

मेघदूत–कालिदास	35
मुद्राराक्षस–विशाखदत्त	25
मृच्छकटिकम्–शूद्रक	40

विस्तृत अंक विभाजन

1	मेघदूतम्	1	चार श्लोक (दो पूर्वार्द्ध भाग तथा 2 उत्तरार्द्ध भाग में से) पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या जिनमें से एक की व्याख्या संस्कृत भाषा माध्यम से अनिवार्य	2x10=20 अंक
		2	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
2	मुद्राराक्षस	1	चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या	2x7.5=15 अंक
		2	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3	मृच्छकटिकम्	1	चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या	2x10=20 अंक
		2.	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
		3	दो सूक्तियों में से एक की संस्कृत भाषा माध्यम से व्याख्या	10 अंक
			कुल योग	**100**

प्रभारी अधिकारी

सहायक पुस्तकें–

1. संस्कृत के संदेश काव्य–डॉ. रामकुमार आचार्य
2. मेघदूत कालिदास व्याख्या–डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
3. मुद्राराक्षस–विशाखदत्त
4. मृच्छकटिकम्– डॉ. श्री निवास शास्त्री
5. मृच्छकटिकम्–रमाशंकर त्रिपाठी
6. मृच्छकटिकम्–शास्त्रीय सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन–डॉ. शालगराम द्विवेदी

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

तृतीय प्रश्न–पत्र–भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे **अंक : 100**

अवधेयम्

प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा माध्यम से बनाया जाएगा। परीक्षार्थी प्रश्न विशेष जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, के अतिरिक्त सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. सांख्यकारिका–ईश्वरकृष्ण 25 अंक
2. तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्त)–केशवमिश्र 20 अंक
3. वेदान्तसार–सदानन्द 20 अंक
4. अर्थसंग्रह (विधिभाग तक)–लौगाक्षिभास्कर 15 अंक
5. योगसूत्रम् (प्रथम व द्वितीय पाद)–पतंजलि 20 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1	सांख्यकारिका	1	चार कारिकाओं में से दो की सप्रसंग व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा माध्यम से अनिवार्य	2x9=18 अंक
		2	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
2	तर्कभाषा	1	दो उद्धरणों में से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
		2	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3	वेदान्तसार	1	दो उद्धरणों में से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
		2.	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
4	अर्थसंग्रह	1	दो उद्धरणों में से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या	8 अंक
		2	दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
5	योगसूत्रम्	1.	चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	2x5=10 अंक
		2.	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा	10 अंक

डॉ. लता शर्मा

प्रभारी अधिकारी

			माध्यम से	

सहायक पुस्तकें

1. सांख्यकारिका (युक्तिदीपिका सहित) सं. रमाशंकर त्रिपाठी
2. सांख्यतत्त्वकौमुदी–रमाशंकर भट्टाचार्य
3. तर्कभाषा–आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्भा, वाराणसी
4. तर्कभाषा–आचार्य बदरीनाथ शुक्ल कृत हिन्दी व्याख्या, चौखम्भा, वाराणसी
5. वेदान्तसार–सन्तराम श्रीवास्तव
6. वेदान्तसार–डॉ. शिवसागर त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाशन
7. सर्वदर्शनसंग्रह–माध्वाचार्य
8. अद्वैतवेदान्त में आभासवाद–डॉ. सत्यदेव मिश्र, इन्दिरा प्रकाशन, मेरठ
9. अर्थसंग्रह–लौगाक्षिभास्कर–चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
10. भारतीय दर्शन–संपादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
11. भारतीय दर्शन–डॉ. बलदेव उपाध्याय
12. इन्ट्रोडक्शन टू इन्डियन फिलास्फी–दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी व अंग्रेजी संस्करण)
13. भारतीय न्यायशास्त्र–ब्रह्ममित्र अवस्थी (इन्दु प्रकाशन, दिल्ली)
14. भारतीय दर्शन–डॉ. उमेश मिश्र (हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ)

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

चतुर्थ प्रश्न पत्र–भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

समय : 3 घण्टे　　　　　　　　　　　　　　　　　　अंक : 100

अवधेयम्

प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा माध्यम से बनाया जाएगा। परीक्षार्थी प्रश्न विशेष जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, के अतिरिक्त सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. साहित्यदर्पण (1, 2 परिच्छेद, तृतीय परिच्छेद कारिका 29 तक)–विश्वनाथ　25 अंक
2. नाट्यशास्त्र (प्रथम व द्वितीय अध्याय)–भरत　15 अंक
3. काव्यमीमांसा (प्रथम व द्वितीय अध्याय)–राजशेखर　20 अंक
4. अलंकार शास्त्र का इतिहास–ग्रन्थकार व कृतियाँ, साहित्य शास्त्र के सम्प्रदाय–20 अंक
5. प्रक्रिया भाग–लघुसिद्धान्तकौमुदी (ण्यन्त, सन्नन्त, आत्मनेपद, परस्मैपद)–20 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1	साहित्य दर्पण	1	चार कारिकाओं/उद्धरणों में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा माध्यम से अनिवार्य	2x9=18 अंक
		2	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
2	नाट्यशास्त्र	1	दो कारिकाओं में से एक कारिका की व्याख्या	8 अंक
		2	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
3	काव्यमीमांसा	1	चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा माध्यम में अनिवार्य	2X10=20 अंक
4	अलंकार शास्त्र का इतिहास	1	ग्रन्थ, चिन्तक में से दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
		2	साहित्य शास्त्र के सम्प्रदायों में से दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
5	प्रक्रिया भाग	1.	चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	2x4=8 अंक
		2.	6 सिद्धियों में से 3 सिद्धियाँ	3x4=12 अंक

सहायक पुस्तकें

1. साहित्यदर्पण–डॉ. निरूपण विद्यालंकार
2. साहित्यदर्पण–शेषराज रेग्मी
3. साहित्यदर्पण–शालगराम शास्त्री
4. नाट्यशास्त्र–सम्पादक डॉ. भोलानाथ शर्मा–साहित्य निकेतन, कानपुर
5. भरतनाट्यशास्त्र–डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आकिर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
6. नाट्यशास्त्र–डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
7. काव्यमीमांसा–राजशेखर
8. अलंकारशास्त्र का इतिहास–डॉ. कृष्णकुमार
9. हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर–डॉ. पी.वी.काणे (काणे व हिन्दी संस्करण)
10. संस्कृत पोईटिक्स–एस.के.डे (अंग्रेजी व हिन्दी संस्करण)
11. भारतीय साहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय
12. लघुसिद्धान्तकौमुदी–भीमसेन शास्त्री
13. लघुसिद्धान्तकौमुदी–महेशसिंह कुशवाह
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी–डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम